# UP Board Class 12 Economics Important Questions Chapter 5 सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
भारत में वस्तु एवं सेवाकर (GST) की मानक दरें कौनसी हैं?
उत्तर:
GST की मानक दर 0%, 3%, 5%, 12%, 18% व 28% है।

प्रश्न 2.
घाटे का वित्त प्रबन्धन समझाइये।
अथवा
बजटीय घाटे का वित्तीयन किस प्रकार किया जाता
उत्तर:
बजटीय घाटे का वित्त प्रबन्धन करो, उधार लेकर या नोट छापकर किया जाता है।

प्रश्न 3.
सरकारी बजट से क्या तात्पर्य है ? .
अथवा
बजट से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
बजट सरकार के अनुमानित प्राप्तियों एवं व्ययों का वार्षिक विवरण है।

प्रश्न 4.
राजकोषीय घाटा किसे कहते हैं ?
उत्तर:
यह सरकार के कुल व्यय और ऋण ग्रहण को छोड़कर कुल प्राप्तियों का अन्तर है।

प्रश्न 5.
राजस्व घाटे की गणना कैसे की जाती है?
उत्तर:
राजस्व घाटा → राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्तियाँ।

प्रश्न 6.
सन्तुलित बजट की परिभाषा दें।
उत्तर:
वह बजट जिसमें सरकार की आय एवं व्यय दोनों बराबर होते हैं।

प्रश्न 7.
प्रत्यक्ष कर के दो उदाहरण दें।
उत्तर:

1. आयकर
2. निगम कर।

प्रश्न 8.
प्रगतिशील कर की परिभाषा दें।
उत्तर:
वह कर जिसकी दर आय बढ़ने के साथ बढ़ती है।

प्रश्न 9.
राजस्व घाटे से क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
राजस्व प्राप्तियों पर राजस्व आय की अधिकता राजस्व घाटा है।

प्रश्न 10.
किसी अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक वस्तुओं की पूर्ति किसके द्वारा की जाती है?
उत्तर:
सार्वजनिक वस्तुओं की पूर्ति सरकार द्वारा की जाती है।

प्रश्न 11.
सरकार द्वारा किया जाने वाला कोई एक महत्त्वपूर्ण कार्य बताइए।
उत्तर:
सार्वजनिक वस्तुओं की पूर्ति ।

प्रश्न 12.
किसी एक सार्वजनिक वस्तु अथवा सेवा का उदाहरण दीजिए।
उत्तर:
राष्ट्रीय प्रतिरक्षा।

प्रश्न 13.
किसी एक निजी वस्तु का उदाहरण दीजिए।
उत्तर:
खाद्य वस्तुएँ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14
सरकार द्वारा अपनायी जाने वाली नीति को क्या कहते हैं?
उत्तर:
राजकोषीय नीति।

प्रश्न 15.
राजकोषीय नीति के प्रमुख अंग कौनकौन से हैं?
उत्तर:

1. कर
2. सार्वजनिक ऋण
3. सार्वजनिक व्यय।

प्रश्न 16.
सरकारी बजट के कोई दो कार्य बताइए।
उत्तर:

1. सरकारी बजट का आबंटन कार्य
2. सरकारी बजट का पुनः आबंटन कार्य।

प्रश्न 17.
अर्थव्यवस्था में समस्त माँग को प्रभावित करने वाला कोई एक तत्त्व बताइए।
उत्तर:
आय।

प्रश्न 18.
बजट के दो प्रकार कौन-कौन से हैं?
उत्तर:

1. राजस्व बजट
2. पूँजीगत बजट।

प्रश्न 19.
किन्हीं दो अप्रत्यक्ष करों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. उत्पादन शुल्क
2. सीमा शुल्क।

प्रश्न 20.
सरकार की कोई एक गैर-कर राजस्व मद का नाम लिखिए।
उत्तर:
व्याज प्राप्तियाँ।

प्रश्न 21.
कोई एक गैर - योजनागत राजस्व व्यय की मद का नाम बताइए।
उत्तर:
प्रतिरक्षा सेवाएँ।

प्रश्न 22.
बजट की पूँजीगत प्राप्ति की कोई एक मद बताइए।
उत्तर:
सार्वजनिक ऋण।

प्रश्न 23.
सरकार द्वारा भवन निर्माण किस प्रकार की मद है?
उत्तर:
पूँजीगत व्यय की मद।

प्रश्न 24.
किस घाटे से सरकार के ऋण-ग्रहण संबंधी आवश्यकताओं का पता चलता है?
उत्तर:
राजकोषीय घाटा।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
प्राथमिक घाटे का सूत्र लिखिए।
उत्तर:
प्राथमिक घाटा: यह वह शेष है जो राजकोषीय घाटे से ब्याज अदायगी को घटाने पर प्राप्त होता है अर्थात्
सकल प्राथमिक घाटा - सकल राजकोषीय घाटा - निवल ब्याज दायित्व।

प्रश्न 2.
प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर का क्या अभिप्राय है ?
उत्तर:
जिसका भार अन्य व्यक्तियों पर हस्तान्तरित नहीं किया जा सकता है वह प्रत्यक्ष कर है एवं जिसका भार हस्तान्तरित किया जा सकता है, वह अप्रत्यक्ष कर है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 3.
प्रगतिशील करारोपण से आपका क्या तात्पर्य है? इसका एक उद्देश्य लिखिए।
उत्तर:
यह वह कर है जिसमें आय वृद्धि के साथसाथ कर की दर में भी वृद्धि होती है, इसका मुख्य उद्देश्य आय असमानता को कम करना है।

प्रश्न 4.
सरकारी बजट के कोई दो उद्देश्य लिखिए।
उत्तर:

1. देश में आय व सम्पत्ति का न्यायोचित वितरण करना।
2. देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

प्रश्न 5.
कर की परिभाषा दीजिए।
अथवा
कर किसे कहते हैं?
उत्तर:
कर एक ऐसा भुगतान है, जो आवश्यक रूप से सरकार को परिवारों, फर्मों तथा संस्थागत इकाइयों द्वारा किया जाता है।

प्रश्न 6.
राजकोषीय घाटा परिभाषित कीजिये।
उत्तर:
राजकोषीय घाटा सरकार के कुल व्यय और ऋण ग्रहण को छोड़कर कुल प्राप्तियों का अन्तर है,
अर्थात्
राजकोषीय घाटा = कुल व्यय – (राजस्व प्राप्तियाँ + गैर ऋण से सृजित पूँजीगत प्राप्तियाँ)

प्रश्न 7.
अप्रत्यक्ष कर की परिभाषा दें।
उत्तर:
अप्रत्यक्ष कर उन करों को कहते हैं, जिनका भार कर चुकाने वाले आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से दूसरों पर डाल देते हैं जैस बिक्री कर, मनोरंजन कर आदि।

प्रश्न 8.
योजना व्यय की परिभाषा दें।
उत्तर:
योजना अवधि में प्राथमिकताओं के आधार पर सरकारी बजट में प्रतिवर्ष व्यय का प्रावधान किया जाता है, इसे योजना व्यय कहते हैं।

प्रश्न 9.
राजकोषीय घाटे की परिभाषा दीजिये। इसके बढ़ने के क्या प्रभाव होते हैं ?
उत्तर:

राजकोषीय घाटा सरकार के कुल व्यय और ऋण ग्रहण को छोड़कर उन प्राप्तियों का अन्तर है। राजकोषीय घाटा बढ़ने से ऋणों में वृद्धि होती है।

प्रश्न 10.
सरकार द्वारा प्राप्त कर पूँजीगत प्राप्तियाँ क्यों नहीं हैं?
उत्तर:
सरकार द्वारा कर प्राप्त करने से सरकार की देयताओं में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं होती है, अतः कर पूँजीगत प्राप्ति नहीं है।

प्रश्न 11.
सरकारी बजट में आगम (राजस्व) घाटे को परिभाषित कीजिए।
उत्तर:
राजस्व घाटा सरकार की राजस्व प्राप्तियों के ऊपर राजस्व व्यय के अधिशेष को बताता है।

प्रश्न 12.
ऋण वसूली को पूँजीगत प्राप्तियाँ क्यों माना जाता है?
उत्तर:
ऋण वसूली को सरकार की पूँजीगत प्राप्ति माना जाता है; क्योंकि ऋण वसूली से सरकार की देयताओं में वृद्धि होती है।

प्रश्न 13.
कर की परिभाषा दीजिये। प्रत्यक्ष करों और अप्रत्यक्ष करों के दो-दो उदाहरण दीजिये।
उत्तर:
कर ऐसा भुगतान है जो आवश्यक रूप.से सरकार को परिवारों, फर्मों या संस्थाओं द्वारा किया जाता है।
प्रत्यक्ष कर = आयकर, निगम कर अप्रत्यक्ष कर = उत्पादन शुल्क, सीमा शुल्क

प्रश्न 14.
ऋणों का पुनर्भुगतान एक पूँजीगत व्यय क्यों है?
उत्तर:
ऋणों का पुनर्भुगतान एक पूँजीगत व्यय होता है, क्योंकि ऋणों का पुनर्भुगतान करने से सरकार की देयताओं में कमी आती है।

प्रश्न 15.
सार्वजनिक वस्तुओं एवं निजी वस्तुओं में कोई एक अन्तर बताइए।
उत्तर:
सार्वजनिक वस्तुएँ वे हैं जिनका लाभ सभी को मिलता है, जबकि निजी वस्तुओं का लाभ उस व्यक्ति विशेष को ही मिलता है जो इन्हें क्रय करता है।

प्रश्न 16.
सार्वजनिक प्रावधान का क्या तात्पर्य
उत्तर:
सार्वजनिक प्रावधान का तात्पर्य है कि इसका वित्त प्रबन्धन बजट के माध्यम से होता है तथा बिना किसी प्रत्यक्ष भुगतान के मुफ्त में प्राप्त होता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 17.
राजस्व व्यय क्या है?
उत्तर:
राजस्व व्यय के अन्तर्गत सरकार के उन सभी व्ययों को शामिल किया जाता है, जिनसे किसी भी प्रकार की भौतिक या वित्तीय सम्पत्ति का सृजन नहीं किया जाता है।

प्रश्न 18.
पूँजीगत बजट क्या है?
उत्तर:
पूँजीगत बजट सरकार की परिसम्पत्तियों के साथ-साथ दायित्वों से सम्बन्धित राशियों का वह लेखा है, जो पूँजी में होने वाले परिवर्तनों का ध्यान रखता है।

प्रश्न 19.
आनुपातिक करों से स्वायत्त व्यय गुणक कम क्यों होता है ?
उत्तर:
आनुपातिक करों से स्वायत्त व्यय गुणक कम होता है, क्योंकि करों के बाद शेष आय सरकारी व्यय की प्रकृति में गिरावट प्रदर्शित करती है।

प्रश्न 20.
पूँजीगत व्यय से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
परिसम्पत्तियों पर होने वाला व्यय पूँजीगत व्यय कहलाता है। यह व्यय भवन, सड़क, पुल निर्माण, पूँजीगत सामान आदि पर किया जाता है।

प्रश्न 21.
सरकारी व्यय का अर्थ लिखिए।
उत्तर:
सरकारी व्यय से अभिप्राय सरकार द्वारा एक वित्तीय वर्ष में विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत किए जाने वाले व्यय से है।

प्रश्न 22.
प्रगतिशील एवं प्रतिगामी कर में कोई एक अन्तर बताइए।
उत्तर:
प्रगतिशील कर का भार धनी व्यक्तियों पर अधिक व निर्धनों पर कम पड़ता है, जबकि प्रतिगामी कर का भार धनी लोगों पर कम एवं निर्धन लोगों पर अधिक पड़ता है।

प्रश्न 23.
सरकार के करेतर राजस्व का कोई एक उदाहरण दीजिए। ,
उत्तर:
सरकार द्वारा विभिन्न लोगों, उद्योगों एवं स्थानीय निकायों को ऋण दिया जाता है, इन पर प्राप्त ब्याज करेतर राजस्व है।